

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II-भग्ब 3-उपक्षक्य (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राविकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

Rio 265]

नई विल्ली, बुधवार, मन्नैल 14, 1971/चन्न 24, 1893

No. 265]

NEW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 14, 1971/CHAITRA 24, 1893

इस माग में भिन्न पुष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF STEEL & HEAVY ENGINEERING NOTIFICATION

New Delhi, the 14th April 1971

Subject-Steel Priority Committee.

- S.O. 1577/Ess.Comm./Iron & Steel.—In exercise of the powers conferred by Crause 17 B of the Iron and Steel (Control) Order. 1956, and in partial modification of Notification No. SC(1)-1(5)/71-B, daied 7th April, 1971, the Central Government has decided that the following sub-para shall be added as sub-para (10) of para 2(b) of the said Notification, as one of the functions of the Steel Priority Committee:—
 - "(10" Where the Steel Priority Committee allocates priority of despatch to any party for the purpose indicated by the party, and where it comes to the notice of the Committee that the steel has not been used for the purpose specified, then, without prejudice to such punishment as he may become liable to for violation of Clause 7 of the Iron and Steel (Control) Order, 1956, the Committee may turn down or modify any subsequent requests received from the party for allocation of priority of despatch, or suspend any allocation of priority already given."

[No, SC(I)-1(5)/71.]

M. PRASAD, Jt. Secv.

इस्पात तथा भारी ईजीनियरी मंत्रालय

ग्रधिमूचना

नई दिल्ली, 14 म्रप्रैंस, 1971

विषय: -- स्पात प्राथमिकता समिति।

का० आ० 1577/आवश्यक वस्तृ/लीह श्रीर इस्पात.—लोहा तथा इस्पात (नियंत्रण) आवेश, 1956, के खण्ड 17-की द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा दिनांक 7-4-71 की ग्रिधिस्चना सं० एस० सी० (1)-1(5)/71-की का ग्रांशिक संगोधन करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने फैसला किया है कि निम्नलिखित उप-पैरा उक्त ग्रिधस्चना के पैरा 2(ख) के उप-पैरा (10) के रूप में जोड़ दिया जाए। इस उप-पैरे में बताया गया कार्य इस्पात प्राथमिकता समिति को सीपे गये कार्यों में सम्मिलित होगा।

"(10) जहां इस्पात प्राथमिकता समिति किसी पार्टी को पार्टी द्वारा बतावे गये प्रयोजन के लिए प्रेषण में प्राथमिकता देती है और जहां समिति को इस बात का पता चलता है कि बताये गये प्रयोजन के लिए इस्पात का प्रयोग नहीं किया गया है, वहां ऐसे दण्ड पर प्रतिकृत प्रभाव डाले बिना, जो उसे लोहा तथा इस्पात (नियंत्रण) बादेश, 1956, के बण्ड 7 का ब्रिकिमण करने के लिए मिलना चाहिए, समिति उस पार्टी से प्राथमिकता के ब्राधार पर माल भेजमें के लिए बाद में प्राप्त हुई प्रार्थमाओं को नामंजूर कर सकती है ब्रथवा उसमें संबोधन कर सकती है ब्रथवा पहले दी गई किसी प्राथमिकता को कुछ समय के लिए रोक सकती है।"

[सं॰ एस॰ सी॰ (1)-1(5)/71] महेरबर प्रसाद, संयक्त सचिव ।